



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 124]

नई दिल्ली, बृद्धपार, जून 26, 1991/आषाढ़ 5, 1913

No. 124] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 26, 1991/ASADHA 5, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Pagina is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

बाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 167 आई टी सी (पी एन) / 90—93

नई दिल्ली, 26 जून, 1991

विषय:—अप्रैल, 1990—मार्च, 1993 के लिए आयात-नियात नीति।

फा. सं. आई. पी. सी 3/1/85:—बाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 1—आई टी सी (पी एन) / 90—93, दिनांक 30 मार्च, 1990 के अन्तर्गत प्रकाशित अप्रैल, 1990 मार्च, 1993 के लिए यथासंशोधित आयात नियात नीति की ओर ध्यान विलाया जाता है।

2. नीति में निम्नलिखित संशोधन नीति निर्दिष्ट उपयुक्त स्थानों पर किए जाएंगे।

क्रम सं.	आयात-नियात नीति, 1990—93 (खण्ड 1) की पृष्ठ संख्या	सन्दर्भ	संशोधन
1	2	3	4
1.	2—3	आध्याय—1 पैराग्राफ—7 परिभाषा	उप पैराग्राफ (5) में वी गई “लघु उद्योग उपक्रम” और “सहायक उद्योग उपक्रम” की परिभाषा को निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया गया है:— (5) आयात-नियात नीति की शर्तों के अनुपार “लघु उद्योग उपक्रम” और “सहायक उद्योग उपक्रम” का अर्थ है वे औद्योगिक उपक्रम

1 2

3

4

जो उद्योग (विकास एवं नियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के प्रयोजन के लिए बाणिज्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं. सा. आ. 232 (अ) विनांक 2 अप्रैल, 1991 में निर्धारित अपेक्षाओं को उक्त अधिनियम के लाइसेंसिंग प्रावधानों से कूट सहित (जिन्हें पुनः नीचे प्रस्तुत किया गया है) पूरी करते हों।

1. किसी औद्योगिक उपक्रम द्वारा लघु औद्योगिक उपक्रम समझे जाने के लिए निम्नलिखित आवश्यकताओं का अनुपालन किया जाना अपेक्षित है :—

(क) ऐसा औद्योगिक उपक्रम जिसका संयंत्र मशीनरी में निर्धारित परिस्पर्तियों में निवेश, चाहे वह स्वामित्व रूप में अथवा पट्टे अथवा किराया खरीद पर हो, 60 लाख रुपये से अधिक न हो।

(ख) उपर्युक्त (क) में संदर्भित औद्योगिक उपक्रम के मामले में संयंत्र और मशीनरी में निर्धारित परिस्पर्तियों में निवेश की सीमा 75 लाख रुपये होगी बास्तें कि कथित यूनिट इसके द्वारा उत्पादन आरम्भ करने की तारीख से तीसरे वर्ष के अन्त तक वार्षिक उत्पादन का कम से कम 30 प्रतिशत नियर्ति करने का बचत दें।

2. किसी औद्योगिक उपक्रम द्वारा सहायक औद्योगिक उपक्रम समझे जाने के लिए निम्नलिखित आवश्यकताओं का अनुपालन किया जाना है :—

जो औद्योगिक उपक्रम पुर्जों, संचाटकों, उप संयोजनों औजार या मध्यवर्ती भागों के विनिर्माण या उत्पादन या सेवाएं मुहैया कराने में लगे हैं या ऐसा करने का प्रस्ताव है तथा उपक्रम एक या अधिक अन्य औद्योगिक उपक्रमों को अपने उत्पादन या सेवाओं का जैसी भी स्थिति हो, 50% में अधिक की आपूर्ति न करता हो या आपूर्ति करने का उसका प्रस्ताव न हो तथा संयंत्र और मशीनरी, चाहे स्वामित्व की गतों पर हो या पट्टे पर या किराया क्रय आधार पर हो, में जिसका निवेश निर्धारित परिस्पर्तियों में हो, वह पचहत्तर लाख रुपये से अधिक न हो।

टिप्पणी:—उपर बताए गए कोई लघु या सहायक औद्योगिक उपक्रम किसी अन्य औद्योगिक उपक्रम के सहायक नहीं होंगे अथवा उसके स्वामित्व या नियंत्रण में नहीं होंगे।

3. उपर्युक्त संशीधन लोकहित में किए गए हैं।

MINISTRY OF COMMERCE

Import Trade Control

PUBLIC NOTICE NO. 167-ITC (PN)/90-93

New Delhi, the 26th June, 1991

Subject : Import and Export policy for April 1990—March 1993.

F.No. IPC/3/1/85 :—Attention is invited to the Import and Export Policy for April 1990—March 1993, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC (PN)/90—93 dated the 30th March, 1990, as amended.

2. The Following amendments shall be made in the Policy at appropriate places indicated below :—

Sl. No.	Page No. of Import and Export Policy , 1990-93 (Volume I)	Reference	Amendment
1	2	3	4

1. 2-3 Chapter I Paragraph 7 The definition of "Small Scale Industrial Undertaking" and "Ancillary industrial undertaking" given in Sub-Paragraph (5) is substituted as under :—

"(5) "Small Scale Industrial Undertaking" and "Ancillary industrial undertaking", in terms of the Import and Export Policy mean those Industrial Undertakings which comply with the requirements laid down in Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Notification No. S.O. 232(E) dated 2nd April, 1991 for the purpose of Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), including exemption from the licensing provisions of the said Act, which are reproduced below :—

I. Requirements to be complied with by an industrial undertaking for being regarded as small scale industrial undertaking :—

(a) An industrial undertaking in which the investments in fixed assets plant and machinery whether held on ownership terms or on lease or by hire purchase does not exceed Rupees sixty lakhs.

(b) In case of an industrial undertaking referred to in (a) above, the limit of investment in fixed assets in plant and machinery shall be Rupees seventy five lakhs provided the unit undertakes to export atleast 30 per cent of the annual production by the end of third year from the date of its commencing production.

II. Requirements to be complied with by an industrial undertaking for being regarded as ancillary industrial undertaking :—

An industrial undertaking which is engaged or is proposed to be engaged in the manufacture or production of parts, components, sub-assemblies, tooling or intermediates, or the rendering of services, and the undertaking supplies or renders or proposes to supply or render not more than 50 percent of its production or services, as the case may be, to one or more other industrial undertakings and whose investment in fixed assets in plant and machinery whether held on ownership terms or on lease or on hire purchase, does not exceed Rupees seventy five lakhs.

NOTE : No small scale or ancillary industrial undertaking referred to above shall be subsidiary of or owned or controlled by any other industrial Undertaking."

3. The above amendment has been made in public interest.

D.R. MEHTA, Chief Controller of Import and Exports

